जय सनातन राष्ट्रहित सर्वोपरि तय सनातन

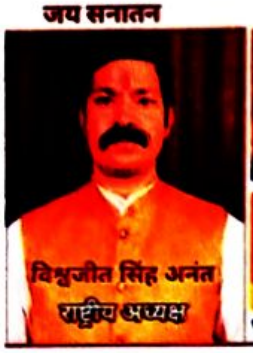

RSP राष्ट्रीय सनातन पार्टी

राष्ट्रीय सनातन पार्टी

RSP राष्ट्रीय सनातन पार्टी

पंजीकृत कार्यालय: म. न. 108-ए, भूतल, खसरा नंबर 60, 30 फूटा रोड,
नया सभापुर गुजरान, करावल नगर, दिल्ली-110090
www.rashtriyasanatanparty.org , E-mail: rashtriyasanatanparty@gmail.com 9412438854, 9410073474

By E-mail

पत्रांक 206 दिनांक 09/04/2026

सेवा में,
श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार

विषय: भारत में शिक्षा, ऐतिहासिक विमर्श एवं सामाजिक नीतियों में सुधार तथा ऐतिहासिक तथ्यों पर पुनर्विचार हेतु निवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं, राष्ट्रीय सनातन पार्टी की ओर से, देश के वर्तमान सामाजिक, शैक्षिक एवं वैचारिक परिदृश्य के संबंध में आपका ध्यान कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

विगत वर्षों में देश में अशिक्षा, सामाजिक भेदभाव तथा ऐतिहासिक तथ्यों के संबंध में अनेक ऐसे नैरेटिव प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें संतुलन एवं तथ्यात्मकता का अभाव प्रतीत होता है। इस संदर्भ में प्रख्यात इतिहासकार विल ड्यूरेंट की पुस्तक **"The Case for India"** सहित अन्य स्रोतों से यह संकेत मिलता है कि भारत की पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक संरचना को लेकर कई स्थापित धारणाएँ पुनर्विचार योग्य हैं।

अतः आपसे निवेदन है कि पूर्ववर्ती तथा वर्तमान शासन द्वारा यदि किसी प्रकार के एकपक्षीय या भ्रामक ऐतिहासिक नैरेटिव प्रस्तुत किए गए हो, तो उनके लिए देश के नागरिकों से क्षमा याचना की जाए तथा एक निष्पक्ष एवं संतुलित ऐतिहासिक विमर्श को प्रोत्साहित किया जाए।

शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक है। शिक्षा का तीव्र व्यवसायीकरण हो चुका है, जिसके कारण सामान्य एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है।

इसी क्रम में, ऐतिहासिक संदर्भों को स्पष्ट करना भी अत्यंत आवश्यक है। भारत में सामाजिक संरचना एवं अस्पृश्यता के विषय में प्रचलित धारणाओं पर भी पुनर्विचार आवश्यक है। स्वयं डॉ भीमराव अंबेडकर, जिन्हें वर्ष 1926 में ब्रिटिश शासनकाल में लेस्ली विल्सन द्वारा बॉम्बे विधान परिषद का सदस्य नामित किया गया था, ने अपने एक भाषण (बॉम्बे लेजिस्लेटिव काउंसिल डिबेट्स) में उल्लेख किया था—

"मुझे याद है कि एक बार सतारा जिले के किसी गांव में ब्राह्मण और गैर-ब्राह्मणों में झगड़ा इतना बढ़ गया था कि गैर-ब्राह्मणों ने ब्राह्मणों के पूर्ण बहिष्कार की घोषणा की थी। उन्हें दाढ़ी बनवाने के लिए नाई नहीं मिला, उन्हें गांव के बनिए ने सामान नहीं बेचा, उन्हें अपने कार्यों के लिए कामगार नहीं मिले... उन्हें कई बार सात मील दूर तक जाना पड़ता था।" (संदर्भ: अम्बेडकर वांग्मय, खंड-3, पृष्ठ 115)

पेज 2 पर जारी...

यह एक उदाहरण है, जो दर्शाता है कि सामाजिक बहिष्कार केवल एक जाति तक सीमित नहीं था, बल्कि विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न समूहों द्वारा अनुभव किया गया। अतः इस विषय पर संतुलित एवं तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण विकसित किया जाना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एक जागरूक नागरिक के रूप में मेरा यह भी सुझाव है कि देश की राजनीति को 'ऐतिहासिक अत्याचारों' के एकपक्षीय नैरेटिव से बाहर निकालकर व्यापक और संतुलित ऐतिहासिक समझ की ओर ले जाया जाए। यह भी विचारणीय है कि औपनिवेशिक काल में 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अंतर्गत सामाजिक विभाजनों को बढ़ावा दिया गया।

आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज को विभाजित करने के बजाय एकीकृत करने वाले दृष्टिकोण को अपनाया जाए। सांस्कृतिक आत्मविश्वास, समान नागरिकता और सशक्त कानून-व्यवस्था के आधार पर समाज को आगे बढ़ाया जाए।

इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, हम निम्नलिखित माँगें आपके समक्ष प्रस्तुत करते हैं—

1. शिक्षा सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से सभी नागरिकों के लिए निःशुल्क किया जाए।

2. नर्सरी से उच्चतम स्तर तक एक समान एवं गुणवत्तापूर्ण शासकीय शिक्षा प्रणाली विकसित की जाए।

3. जो नागरिक सरकारी आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं, उनके लिए बच्चों को सरकारी विद्यालयों में शिक्षा दिलाना अनिवार्य किया जाए।

4. अंबेडकर प्रतिष्ठान सहित ऐसे सभी संस्थानों की निष्पक्ष समीक्षा की जाए, जो सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देते प्रतीत होते हैं।

5. जाति प्रमाणपत्र की अनिवार्यता समाप्त करने पर विचार किया जाए।

6. देशभर में जातिगत संगठनों पर प्रतिबंध लगाने हेतु ठोस कानूनी प्रावधान किए जाए, जिससे सामाजिक एकता को सुदृढ़ किया जा सके और जाति-आधारित विभाजन को समाप्त किया जा सके।

हमें विश्वास है कि आपके नेतृत्व में भारत एक समतामूलक, सशक्त एवं एकजुट राष्ट्र के निर्माण की दिशा में ठोस एवं ऐतिहासिक कदम उठाएगा।

आपकी सकारात्मक पहल की अपेक्षा के साथ।

VISHWAJEET SINGH ANANT
PRESIDENT
RASHTRIYA SANATAN PARTY
H. No. 108-A, GF, Kh. No. 60,
30 Foota Road, New Sabhapur, Gujran
Karawal Nagar, Delhi- 110090

सादर,

विश्वजीत सिंह अनंत
राष्ट्रीय अध्यक्ष
राष्ट्रीय सनातन पार्टी
मोबाइल नं 9412458954
ईमेल : rashtriyasanatanparty@gmail.com